आजादी की लड़ाई में अपनी साहित्य साधना के माध्यम से भाई जी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया

- कल्याण पत्रिका के माध्यम से भाई जी ने भारत के भविष्य निर्माण के चिंतन कार्य को आगे बढ़ाया
- महापुरुषों का व्यक्तित्व शाश्वत सत्य पर आधारित होता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गीता वाटिका, गोरखपुर में भाई जी श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार की 132वीं जयन्ती पर उनकी समाधि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने गीता वाटिका सभागार में युगदृष्टा महामानव भाई जी श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार : जीवन एवं अवदान विषयक संगोष्ठी में लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाई जी ने अपने 70 वर्ष के लम्बे कालखण्ड में भारत के धार्मिक जगत के लिए ऐसा कोई कार्य नहीं था, जो नहीं किया। ऐसा कोई अभियान या आन्दोलन नहीं था, जिसमें भाई जी की प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से भागीदारी न रही हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाई जी हनुमान प्रसाद पोद्दार ने गोरखपुर को अपनी साहित्य साधना का केन्द्र बनाया था। गीता प्रेस के माध्यम से उन्होंने सनातन धर्म से सम्बन्धित सभी वैदिक साहित्य का प्रकाशन एवं उसका प्रचार-प्रसार कर, प्रत्येक घर में पहुंचाने का कार्य किया। वर्ष 1927 में कल्याण पत्रिका का प्रकाशन गोरखपुर से शुरू किया गया था। कल्याण पत्रिका केवल आध्यात्मिक एवं धार्मिक ग्रन्थ ही नहीं, बल्कि पारिवारिक जीवन का पवित्र ग्रन्थ भी बन गया। गत शताब्दी में ऐसा कोई भी सनातन धर्मावलम्बी नहीं था, जिसके घर में कल्याण पत्रिका नहीं पढ़ी जाती थी। इसका श्रेय भाई जी की साहित्य साधना को जाता है। साधना का एक पक्ष यह है कि जिस भाव में साधना की जाती है, उसके परिणाम भी उसी प्रकार प्राप्त होते हैं। लोक कल्याण एवं राष्ट्र कल्याण का भाव भाई जी के अंदर भरा हुआ दिखाई देता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम आन्दोलन में भी भाई जी ने बढ़चढ़ कर भाग लिया था। ब्रिटिश सरकार ने उन्हें अनेक यातनाएं दी थीं। उनके मार्ग में अनेक बाधाएं भी आयीं। उनकी कल्याण पत्रिका को भी जब्त कर लिया गया था। स्वाधीनता आंदोलन में सभी प्रमुख नेताओं एवं क्रान्तिकारियों से भाई जी का सम्पर्क रहा था। आजादी की लड़ाई में अपनी साहित्य साधना के माध्यम से उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। वे इस ध्येय के साथ निरंतर कार्यरत रहे कि जीवन केवल जीने के लिए नहीं होता। मनुष्य जीवन, ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। यह एक बड़े लक्ष्य को ध्यान में रखकर अग्रसर होता है और अपने आचरण व व्यक्तित्व को उसके अनुरूप धारण करने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करता है। उसके परिणाम भी उसी रूप में हमें दिखायी देते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाई जी ने आजादी की लड़ाई के उपरान्त भारत के संस्कारयुक्त परिवारों की परम्परा को अपनी लेखनी के माध्यम से आगे बढ़ाया। कल्याण पत्रिका के माध्यम से उन्होंने भारत के भविष्य निर्माण के चिंतन कार्य को भी आगे बढ़ाया। गीता प्रेस न केवल भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में वैदिक साहित्य का प्रचार-प्रसार का सबसे बड़ा केन्द्र है। यह भाई जी की साधना का ही परिणाम है। इस कालखण्ड में जिस प्रकार की साधना को भाई जी ने आगे बढ़ाया, उसके परिणाम हम सबको देखने को मिले हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का वैदिक साहित्य आज हम सबके सामने है। वह किसी के चिंतन की ही देन है। भारत की ऋषि परम्परा की देन है। इस परम्परा को हमारे ऋषियों ने श्रवण परम्परा के माध्यम से आगे नहीं बढ़ाया होता तो देश की गुलामी के दौर में यह नष्ट हो गयी होती। आत्म विस्मृति का दौर और आत्म गौरव तिरोहित करने का भाव हमें आज इस कालखण्ड में भी दिखाई देता, यदि हमारे पास इतनी उत्कृष्ट कोटि का वैदिक साहित्य न होता। गुलामी के कालखण्ड में भी आत्म विस्मृति के दौर से हम गुजर रहे थे, किन्तु उस कालखण्ड में भारत के वैदिक साहित्य को लेकर दुनिया के अनेक देशों ने अनेक शोध करके अनेक उपलब्धियां हासिल की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी उद्यमिता एवं रिसर्च डेवलपमेंट के लिए विख्यात जर्मनी देश, भारत के वैदिक साहित्य के प्रति गम्भीरता से शोध कर रहा है। इस कालखण्ड में जब हम आत्म विस्मृति में खोए हुए थे तथा अपने आत्म गौरव के भाव को हम लोगों ने तिरोहित कर दिया था, उस समय भारत के वैदिक साहित्य से प्रेरणा लेकर यूरोप का यह देश खड़ा हो रहा था। उसने अपने देश में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देकर खुद को दुनिया में एक ताकत के रूप में प्रस्तुत किया। हमने अपनी विरासत को विस्मृत किया, जिसके परिणाम हमारे सामने हैं। इसी कारण से गुलामी ने हमारा पीछा नहीं छोड़ा और हमारा देश लम्बे समय तक गुलाम बना रहा।

मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद और समापन समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आगमन हुआ। उस समय प्रत्येक व्यक्ति के मुख में एक ही बात थी कि गीता प्रेस की स्थापना श्री जय दयाल गोयन्दका ने की, लेकिन उसे साहित्य साधना की स्थली भाई जी ने बनायी। गीता प्रेस को गीता प्रेस बनाने का कार्य उन्होंने ही किया था। विगत वर्ष गीता प्रेस की उपलब्धियों के लिए इसे गांधी शान्ति पुरस्कार भी प्राप्त हुआ था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी महापुरुष ने कहा है कि कोई व्यक्ति तब महान होता है, जब 50 से 100 वर्ष बाद भी उसे श्रद्धा के साथ याद कर स्नेह किया जाये। लम्बी अवधि के बाद भी यदि किसी का स्मरण किया जा रहा है तो वह जरूर अपने अन्दर महानता का गुण रखता होगा। आज भी भगवान श्रीराम एवं भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण हर सनातन धर्मावलम्बी करता है। उनका व्यक्तित्व धर्म, देश व समाज के कल्याण के अनुरूप था। भाई जी पिछले 53 वर्ष से हमारे बीच नहीं हैं, फिर भी भारत की संस्कृति को आगे बढ़ाने तथा गाय को कृषि और ऋषि व्यवस्था में सेतु के रूप में बढ़ाने के लिए उन्हें याद किया जाता है। भारत में आज कोई भी आध्यात्मिक आयोजन होता है तो भाई जी का स्मरण अवश्य किया जाता है। महापुरुषों का व्यक्तित्व शाश्वत सत्य पर आधारित होता है। वह देश, काल और परिस्थिति से अविभाजित होता है।

नहरों से निकाली गयी सिल्ट का डिस्पोजल ठीक ढंग से किया जाए

-जलशक्तिमंत्री स्वतंत्र देव सिंह

जलशक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिल्ट सफाई के कार्य निर्धारित विभागीय मापदण्डों के अनुसार हो, इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। कार्यों का भौतिक सत्यापन कराया जाए, नहरों की सिल्ट सफाई के कार्यों की गुणवत्ता एवं कार्यों में पूरी पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु मुख्यालय स्तर से गठित विभागीय समितियों एवं उच्चाधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण किया जाए। किसी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उत्तर प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने यह निर्देश आज यहाँ उदयगंज स्थित सिंचाई एवं जलसंसाधन विभाग के मुख्यालय स्थित सभागार में नहरों के सिल्ट सफाई के संबंध में मुख्य अभियंताओं के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि नहरों की सिल्ट सफाई झंडी के साथ लाइन डोरी लगाकर इस प्रकार की जाये कि नहर का संरेखण एवं घुमाव स्थापित रहे। पुलों के नीचे जमा सिल्ट भी विशेष ध्यान देकर साफ कराई जाए।

स्वतंत्र देव सिंह ने निर्देश दिया कि नहरों से निकाली गयी सिल्ट का डिस्पोजल ठीक ढंग से किया जाए। नहर के आंतरिक भाग में सिल्ट न छोड़ी जाये, उसका संतोषजनक डिस्पोजल किया जाए, नहरों से निकाली गयी सिल्ट का उचित डिस्पोजल सुनिश्चित करने के लिये अल्पिकाओं हेतु अवर अभियन्ता एवं राजवाहों हेतु सहायक अभियन्ता व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगें तथा वे अपनी प्रत्येक माइनर/राजवाहा को निरीक्षण कर सिल्ट के समुचित डिस्पोजल कर दिये जाने का प्रमाण-पत्र भी उपलब्ध करायेगें।

जलशक्ति मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी कार्यों को पारदर्शी ढंग से कराते हुए सिल्ट सफाई के कार्य का समुचित अभिलेखीकरण भी कराया जाए। कार्य प्रारम्भ से पूर्व, कार्य के दौरान तथा कार्य के पश्चात फोटोग्राफी इस प्रकार की जाये कि स्थल की जियोटैगिंग हो जाये तथा फोटोग्राफ में अक्षांश/देशान्तर के साथ नहर का नाम एवं जनपद का नाम अवश्य अंकित किया जाये। किये गये कार्यों का ड्रोन से वीडियोग्राफी कराकर इस प्रकार वीडियो बनायी जाये कि कार्य के पूर्व में एवं कार्य के पश्चात दोनों स्थितियां साथ-साथ प्रदर्शित हों। बाद में नहर चलते हुए भी नहर के हेड का तथा टेल का फोटोग्राफ लेकर के रखा जाये, जिससे कराये गये कार्य का अंतिम परिणाम भी प्रदर्शित हो सके।

महात्मा बुद्ध कृषि विश्वविद्यालय कुशीनगर के लिए रुपए 45 करोड़ जारी

कुशीनगर में बनाए जा रहे महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की स्थापना एवं वृहद निर्माण कार्यों के लिए शासन द्वारा 45 करोड़ रूपए की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है। इस संबंध में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि यह विश्वविद्यालय शिक्षा और अनुसंधान से उत्तर प्रदेश के कृषकों की आय को दुगनी करने तथा कृषि को धारणीय बनाने में दूरगामी सफलता प्रदान करेगा।

इसके साथ ही मृदा एवं जल संरक्षण अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना नेशनल मिशन फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर के अंतर्गत नमामि गंगे योजना तथा अन्य के लिए रूपए 3.51 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है।

बुंदेलखण्ड क्षेत्र पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र-जयवीर सिंह

विश्व पर्यटन दिवस-2024 रानी लक्ष्मीबाई झांसी की धरती बुंदेलखंड में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस-2024 की थीम पर्यटन एवं शांति है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। वर्तमान समय में यूरोप व एशिया के कई देशों के बीच युद्ध जैसी स्थिति है, जिससे पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं मानवता को क्षति हो रही है। इस विश्वव्यापी संकट से उबरने में पर्यटकों की भूमिका शांतिदूत के रूप में हो सकती है। भारतीय सदियों से शांति के रास्ते पर चलते आ रहे हैं। जहां दुनिया के कई देशों ने युद्ध दिया है, वहीं भारत ने बुद्ध दिया है।

सहकारिता
संरक्षक
आयुक्त एवं निबन्धक,
सहकारिता, उ0प्र0
श्रीकान्त गोस्वामी
प्रबन्ध निदेशक/प्रधान सम्पादक
सवीन्द्र सिंह
महाप्रबन्धक
स्वत्वाधिकारी, यू0पी0 कोऑपरेटिव यूनियन लि0, प्रकाशक, मुद्रक सुनील कुमार दिवाकर द्वारा सहकारी प्रेस, 14, डॉ0 भीमराव अम्बेडकर मार्ग लखनऊ, उ0प्र0 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक-सुनील कुमार दिवाकर
फोन : 0522-4004577 (का.)
मोबाइल : 9415094114
ईमेल : sahkarita@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा।

आर0 एन0 आई0 नं0 : 25008/72
डाक पंजी0 सं0 - GPO- LW/NP-178/2024-26
सहकारिता
उत्तर प्रदेश के सहकारी आन्दोलन का दर्पण
वर्ष : 53 अंक : 02 (हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ-बृहस्पतिवार 10 अक्टूबर, 2024 से 16 अक्टूबर, 2024 पृष्ठ-4 वार्षिक 150.00 रूपया मात्र एक प्रति 3.00 रूपया

खेल टीम भावना के साथ ही, हमें सम-विषम परिस्थिति से लड़ने की प्रेरणा देता : मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री ने 36वें ऑल इण्डिया एडवोकेट्स क्रिकेट टूर्नामेण्ट का शुभारम्भ किया
- हर जीत हमें आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करती, वहीं हर हार भी हमारे लिए एक नया सबक होती है

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खेल हम सभी को जोड़ता है। खेल हमें टीम भावना से कार्य करने की प्रेरणा देता है। यदि हममें टीमवर्क से कार्य करने की क्षमता है, तो हमारी सफलता की सम्भावना ज्यादा होती है। लेकिन यदि हम टीम भावना से कार्य नहीं कर पा रहे हैं, तो हमारी असफलता की सम्भावना भी उतनी ही ज्यादा होती है।

मुख्यमंत्री यहां भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 36वें ऑल इण्डिया एडवोकेट्स क्रिकेट टूर्नामेण्ट के शुभारम्भ कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रतियोगिता में दी जाने वाली ट्रॉफियों का अनावरण किया। उन्होंने प्रतिभाग करने वाली टीमों के कप्तान को किट वितरित की। मुख्यमंत्री जी ने ऑल इण्डिया एडवोकेट्स क्रिकेट टूर्नामेण्ट के शुभारम्भ की घोषणा की। उन्होंने गेंद खेलकर न्यायमूर्तिगण व अधिवक्तागण के मध्य आयोजित प्रदर्शनी मैच की औपचारिक शुरूआत की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की सर्वाधिक आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश में 36वें आल इण्डिया एडवोकेट्स क्रिकेट टूर्नामेण्ट का आयोजन हम सभी को नया आनन्द और अनुभव प्रदान कर रहा है। उत्तर प्रदेश में इसके आयोजन के नाते यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से इस आयोजन में सहभागी बनें और इसे प्रोत्साहित करें। जब प्रतिष्ठित टीमें इसमें प्रतिभाग कर रही हों तथा बार व बेंच टूर्नामेण्ट के माध्यम से एक दूसरे से जुड़ रहे हों, तो यह न केवल रोचक है बल्कि लोगों के लिए नई प्रेरणा भी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खेल टीम भावना के साथ ही, हमें सम-विषम परिस्थिति से लड़ने की प्रेरणा भी देता है। यह मनोरंजन का साधन भी है। यह आयोजन हम सभी को अपनी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं का आकलन करने का अवसर प्रदान करता है। हर जीत हमें आगे बढ़ने को प्रोत्साहित करती है, वहीं हर हार भी हमारे लिए एक नया सबक होती है तथा हमें नए प्रोत्साहन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने विगत 10 वर्षों में देश में एक नई खेल भावना को आगे बढ़ते देखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भी यही इच्छा है कि हम किस प्रकार खेल गतिविधियों को आगे बढ़ाएं। आज इसी भावना से देश में खेल कार्यक्रम आगे बढ़े हैं। ओलम्पिक, पैरालम्पिक, एशियाड, कामनवेल्थ या वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसी किसी भी प्रतियोगिता में हमारे खिलाड़ी बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। जमीनी धरातल से जुड़े हुए खिलाड़ियों को भी अवसर प्राप्त हो रहा है। खेलो इण्डिया, फिट इण्डिया मूवमेण्ट तथा सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं ने देश में नई खेल संस्कृति को आगे बढ़ाया है। अनेक युवा इसके माध्यम से आगे आ रहे हैं। ओलम्पिक में हमारे खिलाड़ी 07 मेडल लेकर आए। वहीं पैरालम्पिक में हमारे खिलाड़ियों ने 29 मेडल प्राप्त किए। इनका प्रदर्शन अचम्भित करने वाला है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में ओलम्पिक, एशियाड तथा कामनवेल्थ गेम्स सहित अन्य खेलों में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों के लिए अनेक प्रोत्साहन प्रारम्भ किए गए हैं। प्रदेश के जिन खिलाड़ियों ने ओलम्पिक तथा पैरालम्पिक खेलों में प्रतिभाग किया और देश के लिए मेडल जीते, उन सभी को 01 अक्टूबर को लखनऊ में भव्य समारोह में प्रदेश सरकार की ओर से सम्मानित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ओलम्पिक गेम्स (एकल वर्ग) में स्वर्ण पदक विजेता को 06 करोड़ रूपये, रजत पदक विजेता को 04 करोड़ रूपये तथा (शेष पृष्ठ 2 पर...)

लखनऊ में 5 एकड़ में बनेगा भारत का दूसरा व उत्तर भारत का पहला सेन्ट्रल मिलिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट

- गेहूं के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखने के साथ ही अपना उत्तर प्रदेश अब गेंहू आधारित प्रसंस्कृत उद्योगों में भी बनेगा नंबर एक

उत्तर प्रदेश रोलर लोर मिलर्स एसोसिएशन की 61 वी वार्षिक साधारण सभा का आयोजन आज लखनऊ के ताज होटल में किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री माननीय सुरेश खन्ना जी व विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह मौजूद रहे, बैठक में पूरे उत्तर प्रदेश के लगभग 200 से ज्यादा रोलर लोर मिल के उद्यमियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में मुख्य अतिथि वित्त मंत्री माननीय सुरेश खन्ना ने कहा कि प्रदेश की सरकार हमारे यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यमियों के विकास व उद्योग जगत के निरंतर बेहतरी के लिए कार्य कर रही, जिसका परिणाम अब हमें जमीन पर स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। आज अपने उत्तर प्रदेश में नित नई औद्योगिक इकाइयां स्थापित हो रही है, जिससे न केवल अपना उत्तर प्रदेश विकास के मार्ग पर तीव्र गति से बढ़ रहा है। अपितु किसानों को उत्साहित हैं। आज के दौर में किसी भी उद्योग में अत्याधुनिक टेक्नोलाजी का महत्व बढ़ गया है साथ ही प्रशिक्षित कामगारों की मांग दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए हमारी उत्तर प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 5 एकड़ जमीन उत्तर प्रदेश रोलर लोर मिलर्स एसोसिएशन को देने का निर्णय लिया है जिसमें देश का दूसरा व उत्तर भारत का पहला सेन्ट्रल मिलिंग टेक्नोलाजी इंस्टीट्यूट संस्था द्वारा स्थापित किया जाएगा जहां अत्याधुनिक

उनकी ऊपज का उचित मूल्य भी प्राप्त हो रहा है साथ ही रोज़गार के अनेक नए अवसर भी सृजित हो रहे हैं। वो दिन दूर नहीं जब हमारा उत्तर प्रदेश देश में एक ट्रिलियन डालर की इकोनामी वाला प्रथम प्रदेश बनेगा।

विशिष्ट अतिथि प्रमुख सचिव मनोज सिंह ने कहा आज सरकार की मंशा प्रदेश में स्थापित उद्योगों के सफल संचालन व नए उद्योगों को स्थापित करने में आने वाली समस्त बाधाओं को सहज रूप में दूर कर एक अच्छा औद्योगिक माहौल विकसित करना है जिससे न केवल उत्तर प्रदेश के उद्यमी अपितु अन्य राज्यों के उद्यमी भी अपनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए टेक्नोलाजी के प्रयोग से उन्नत उत्पाद तैयार करने हेतु विश्वस्तरीय साज सज्जा वाला एक इंस्टीट्यूट स्थापित होगा जिसमें से ऐसे प्रशिक्षित कामगार तैयार होंगे जिनकी मांग न केवल भारत में बल्कि यूरोपीय देशों के साथ ही मध्य पूर्व देशों में भी रहेगा। यह संस्था आने वाले समय में मिलिंग उद्योग जगत में एक मिल का पत्थर साबित होगा।

संगठन के अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन व उपाध्यक्ष दीपक बजाज ने सर्वप्रथम वार्षिक साधारण सभा में बतौर मुख्य अतिथि पधारे माननीय वित्तमंत्री सुरेश खन्ना व विशिष्ट अतिथि मुख्य सचिव मनोज सिंह सहित पूरे प्रदेश से पधारे समस्त उद्यमियों का स्वागत व अभिनन्दन करते हुए अपने उद्बोधन कहा कि मैं अपने प्रदेश के (शेष पृष्ठ 2 पर...)

संपादकीय

बागवानी फसलों में कार्बनिक खादों जैसे गोबर की खाद, कम्पोस्ट का विशेष महत्व है। कार्बनिक खादें अघुलनशील फास्फोरस के साथ-साथ अन्य पोषक तत्वों की उपलब्धता को भी बढ़ाते हैं, फास्फोरस उर्वरक का अवशिष्ट प्रभाव सर्वविदित है। फसल अवशेषों में पोटेशियम की मात्रा अधिक होती है। उदाहरण के लिए केले के फसल अवशेषों से 40 प्रतिशत पोटाश की आपूर्ति हो सकती है। चूंकि नाइट्रोजन की कमी से फास्फोरस तथा पोटाश की उपयोग क्षमता घट जाती है इसलिए उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ाने में संतुलित उर्वरक प्रयोग आवश्यक है। बागवानी फसलों में द्वितीयक पोषक तत्व जैसे कैल्शियम, मैग्नीशियम तथा सल्फर की विशिष्ट भूमिका है। कैल्शियम कोशिका भित्ति का एक घटक है और इसलिए यह केला, टमाटर आदि की त्वचा के विकास में मदद करता है। मैग्नीशियम चाय की फसल में वृद्धि हेतु नाइट्रोजन व पोटाश के बाद तीसरा महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। मैग्नीशियम क्लोरोफिल के निर्माण में यह महत्वपूर्ण तत्व है। इसी प्रकार सल्फर भी महत्वपूर्ण द्वितीयक पोषक तत्व है। यह तेल के जैव संश्लेषण, कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन और वसा के चयापचय के लिए आवश्यक है। कुछ विटामिनों के संश्लेषण में भी यह महत्वपूर्ण निभाता है।

बागवानी फसलों में सूक्ष्ममात्रिक पोषक तत्वों जैसे - आयरन, मैंगनीज, कॉपर, जिंक, मॉलिब्डिनम, बोरॉन, क्लोरीन तथा निकेल की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सूक्ष्ममात्रिक तत्व इन्जाइम की एक श्रृंखला के घटक के रूप में कार्य करते हैं। इनका पर्णीय छिड़काव विशेष रूप से लाभदायक होता है।

फलों की गुणवत्ता बढ़ाने में पोटेशियम का महत्वपूर्ण योगदान है। फलों का आकारा, शक्ल, रंग, घुलनशील ठोस पदार्थ, अम्लता, विटामिन की मात्रा स्वाद, ताजगी व जीवनकाल आदि पोटेशियम की पर्याप्त आपूर्ति पर निर्भर करता है। पोटेशियम की पर्याप्त मात्रा में वृद्धि एवं फलों का शीघ्र व सही पकाव होता है। इसके साथ ही ऐसे फल आयात-निर्यात के दौरान खराब नहीं होते है।

स्मरण रहे, फलों की खेती में पोषक तत्वों की आवश्यकता इतनी अधिक है कि कोई भी अकेला स्रोत, चाहे वह उर्वरक हो, जैव उर्वरक, गोबर की खाद या कम्पोस्ट पूर्ति नहीं कर सकता। अतः फसलों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु एकीकृत/समेकित पोषक तत्व प्रबंधन ही एकमात्र विकल्प है।

बागवानी फसलों में पोषक तत्वों व जल की उपयोग क्षमता बहुत कम है और इन दोनों महत्वपूर्ण आदानों की उपयोग क्षमता बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता है। जल व पोषक तत्वों की उपयोग क्षमता बढ़ाने हेतु फर्टिगेशन एक महत्वपूर्ण तकनीक है। फर्टिगेशन पंक्तियों में लगी हुई फल फसलों में अधिक आसानी से किया जा सकता है। लंबी अवधि वाली फल वृक्षों हेतु ट्रेसर तकनीक का उपयोग करना चाहिए, जिससे उर्वरकों को अधिक गहराई में डालकर उनकी उपयोग क्षमता में वृद्धि हो। ❑

वैश्विक व्यापार के महाकुंभ (इन्टरनेशनल ट्रेड शो) में दीदियों के उत्पादों के व्यापार के मामले में मिली ग्लोबल पहचान

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेन्टर एवं मार्ट में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम में उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा भी प्रतिभाग किया गया। ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत सभी 75 जनपदों में गठित समूहों के द्वारा प्रतिभाग किया गया ।इन समूह के द्वारा बनाए गए उत्पादों का प्रदर्शन एवं उसका विपणन भी इस ट्रेड शो में किया गया ।आजीविका मिशन के स्टालों पर पर भारी भीड़ रही।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि इस ट्रेड शो में आने वाले समूह की दीदियों को उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों के विपणन हेतु एक बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हुआ एवं उनके द्वारा बनाए गए उत्पादों को एक अच्छा बाजार मिलने की भी संभावना बढ़ेगी। उप मुख्यमंत्री ने कहा है कि इससे दीदियों के उत्पादों के व्यापार व सम्भावनाओं के मामले में ग्लोबल पहचान मिली है। देश, दुनिया के सामने उत्तर प्रदेश के स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के हुनर को प्रदर्शित किया गया।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की मिशन निदेशक श्रीमती दीपा रंजन आज यू.पी. इंटरनेशनल ट्रेड शो 2024 के अंतिम दिन इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचे लोगों ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत चल रही विभिन्न योजनाओं यथा समूह गठन की प्रक्रिया, टेक होम राशन, बी.सी. सखी, विद्युत सखी एवम बालिनी आदि के संबंध में उत्साहपूर्वक जानकारी प्राप्त की तथा मिशन से जुड़ने की इच्छा भी प्रकट किया, साथ ही साथ समूहों द्वारा उत्पादित उत्पाद यथा- मसाले, मुरब्बा, अचार, परिधान, जरी जरदोजी आदि का क्रय भी बड़ी मात्रा में किया गया।

अंतिम दिवस राकेश सचान, कैबिनेट मंत्री एम.एस.एम.ई., उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस ट्रेड शो का समापन किया गया इसके पूर्व मंत्री द्वारा समूहों तथा हस्तशिल्पियों, प्रतिभाग करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया। आजीविका मिशन की तरफ से संयुक्त मिशन निदेशक, अरविंद कुमार तथा जय बाला जी वृद्धा महिला स्वयं सहायता समूह, जनपद उन्नाव को ट्रेड शो में उत्पादों की सर्वाधिक बिक्री होने पर तृतीय स्थान प्राप्त होने के पर सम्मानित किया गया।

'मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से निरंतर की जा रही है निगरानी'

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोन्मुखी योजनाओं का क्रियान्वयन जहां बेहतर तरीके से किया जा रहा है, वहीं योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में कहीं घालमेल न होने पाये, इसके लिए सतत् रूप से निगरानी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। मनरेगा योजनांतर्गत कार्यों की गुणवत्ता पर प्रभावी व पैनी नजर रखने के भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी कर निगरानी का कार्य निरंतर जारी है। राज्य मुख्यालय स्तर पर तैनात टीम द्वारा जनपदों में जाकर कार्यों की निरंतर ड्रोन तकनीक से वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी का कार्य किया जा रहा है,।

इसी क्रम में अब टीमें आजमगढ़, गाजीपुर व अम्बेडकरनगर जनपद का भ्रमण कर योजनांतर्गत किये गये कार्यों की निगरानी कर रही हैं। मनरेगा योजना के अन्तर्गत कार्यस्थलों पर निगरानी ड्रोन प्रणाली के माध्यम से भी की जा रही है। ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय ड्रोन टीमों का उपयोग मनरेगा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित निरीक्षण/निगरानी के लिये किया जा रहा है। आयुक्त, ग्राम्य विकास जी0 एस0 प्रियदर्शी ने बताया कि इन तीनों जिलों के 5-5 विकास खण्डों की 20-20 ग्राम पंचायतों में वर्ष 2023-24 में मनरेगा के अन्तर्गत कराये गये सभी कार्यों की ड्रोन टीम से वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी कर निरीक्षण/निगरानी करने के निर्देश दिए गए हैं। ड्रोन टीमें निर्धारित रोस्टर के अनुसार दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। सम्बन्धित जिलों के मुख्य विकास अधिकारी को ड्रोन टीमों को सहयोग प्रदान करने हेतु अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देशों के क्रम में इन तीनों जिलों के मुख्य विकास अधिकारियों ने खण्ड विकास अधिकारियों व अन्य सम्बन्धित कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है, जो अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।

पृष्ठ 1 का शेष...खेल टीम भावना के साथ ही .....कांस्य पदक विजेता को 02 करोड़ रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान करती है। ओलम्पिक गेम्स (टीम गेम्स) में स्वर्ण पदक जीतने पर 03 करोड़ रूपये, रजत पदक पर 02 करोड़ रूपये तथा कांस्य पदक जीतने पर 01 करोड़ रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान किए जाने की व्यवस्था है। इसी प्रकार एशियाड, कामनवेल्थ गेम्स तथा वर्ल्ड चैंपियनशिप में प्रतिभाग करने के लिए और पदक जीतने के लिए प्रोत्साहन की व्यवस्था है। इसके साथ ही, खिलाड़ियों को विभिन्न सेवाओं में लिए जाने की भी विशेष व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2020 के टोक्यो ओलम्पिक में भारतीय हाकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। उस टीम के सदस्य तथा प्रदेश के खिलाड़ी श्री ललित कुमार उपाध्याय को सीधे पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्ति दी गई है। भारतीय हाकी टीम का सम्मान भी किया गया था। इस बार ओलम्पिक में उत्तर प्रदेश के 02 खिलाड़ी भारतीय हाकी टीम का हिस्सा बने थे। इनमें ललित कुमार उपाध्याय तथा राजकुमार पाल थे। भारतीय टीम द्वारा मेडल जीतने के कारण हम राजकुमार पाल को भी सीधी नियुक्ति देने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन में हुए कामनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक विजेता प्रदेश की एथलेटिक्स खिलाड़ी सुश्री पारूल चौधरी को भी नियुक्ति पत्र दिया गया है। सुश्री पारूल चौधरी ने पदक जीतने के लिए पूरी जान लगा दी थी और देश के लिए गोल्ड मेडल जीता। सुश्री पारूल चौधरी ने यह कहा था कि उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पदक जीतने पर डिप्टी एस0पी0 का पद प्रदान किये जाने की घोषणा से प्रोत्साहन मिला था। अब तक हम 500 खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र दे चुके हैं, जिन्होंने ओलम्पिक, एशियाड अथवा कामनवेल्थ गेम्स में भारत के लिए पदक जीत कर देश का गौरव बढ़ाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के साथ ही, खेल व खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रदेश सरकार द्वारा अनेक प्रयास प्रारम्भ किए गए हैं। प्रदेश में लगभग 57 हजार ग्राम पंचायतें हैं। इन सभी में खेल के मैदान के निर्माण के लिए जिला प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं। यदि गांव में खेल का मैदान होगा, तो बच्चे खेलने में रूचि लेंगे और गलत दिशा में नहीं जाएंगे। उन्हें सकारात्मक दिशा मिलेगी। सभी ग्राम पंचायतों को प्राथमिकता के आधार पर खेल के मैदान तथा ओपन जिम के निर्माण के लिए कहा गया है। इसके साथ ही, हर विकासखण्ड में मिनी स्टेडियम तथा हर जनपद में स्टेडियम का निर्माण कार्य प्रारम्भ किया गया है। इस समय खेलकूद की ग्रामीण लीग प्रतियोगिताएं लोकप्रिय हो रही हैं। विगत दिनों लखनऊ में हाकी एवं क्रिकेट लीग का आयोजन हुआ था। इसके माध्यम से खिलाड़ियों को एक नया मंच प्राप्त हो रहा है।

पृष्ठ 1 का शेष...लखनऊ में 5 एकड़ में...यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को प्रदेश के सभी उद्यमियों की तरफ् से धन्यवाद् देता हूं जिनके कुशल नेतृत्व में प्रदेश के समस्त उद्यमी भय रहित वातावरण में स्वछंद रूप से अपने उद्योग का संचालन करते हुए न केवल प्रदेश के विकास में अपना अंशदान दे रहे है बल्कि रोज़गार के नए अवसर सृजित करके हुए अनेक कामगारों को नौकरी भी प्रदान कर रही हैं।

रोलर लोर मिलिंग उद्योग किसानों व आम उपभोक्ता से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा ऐसा उद्योग है जो कि हमारे अन्नदाता किसानों को उनकी ऊपज का सर्वश्रेष्ठ मूल्य देकर उनकी आय में बढ़ोतरी करते हुए संबल प्रदान करता है साथ ही आम उपभोक्ता के दैनिक उपभोग की खाद्य पदार्थ आटा, मैदा, सूजी को लोकहित में न्यूनतम लाभ के साथ बाजार में बेचता हैं। आज अपना उत्तर प्रदेश गेहूं उत्पादन में देश में प्रथम स्थान रखता है अब हमें जरूरत है गेहूं के प्रसंस्कृत उद्योगों में क्रांति लाते हुए रोलर लोर मिलों का पुनर्स्थान करते हुए उच्च क्वालिटी के गुणवत्ता युक्त आटा मैदा सूजी तैयार करना है जिससे अपना प्रदेश गेहूं उत्पादन के साथ साथ गेहूं आधारित प्रसंस्कृत उद्योगों में भी पूरे भारतवर्ष में नंबर एक बन सके।

''स्वच्छता की अलख जगा रहे विद्यार्थी''

प्रदेश की सभी निकायों में ''स्वभाव स्वच्छता-संस्कार स्वच्छता'' थीम पर आयोजित ''स्वच्छता ही सेवा अभियान-2024' के अंतर्गत चल रहे 155 घण्टे के स्वच्छता अभियान के तीसरे दिन शनिवार को स्वच्छ भारत मिशन नगरीय द्वारा प्रदेश के लगभग 5000 स्कूलों, कालेजों व विश्वविद्यालयों में एक लाख से अधिक विद्यार्थियों की सहभागिता से स्वच्छता जागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्टॉफ व अभिभावकों को स्वच्छता के इस जन आंदोलन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ ही उनके स्वभाव और संस्कार में स्वच्छता की अलख जागृत करने का कार्य किया गया। इस दौरान शैक्षणिक संस्थानों के छात्र-छात्राओं ने 'स्वच्छता शपथ' लेकर इस कार्य में निरन्तर अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

स्वच्छता की भागीदारिता में स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालयों के स्वच्छ सारथी क्लब का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नवयुवक हमारी धरोहर व भविष्य है। स्वच्छता की जागरूकता से लेकर स्वच्छता के प्रति विभिन्न कार्यों में इनका योगदान अतुलनीय है। इस वर्ष सभी निकायों में 'स्वच्छ सारथी क्लब'' के माध्यम से 'स्वच्छ स्कूल' बनाये जा रहे है, जोकि प्लास्टिक मुक्त, स्वच्छ टॉयलेट व स्वच्छ परिसर से युक्त होंगे। प्रत्येक निकाय में स्वच्छता के मानको को पूर्ण करने वाले तथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूलों को "स्वच्छ स्कूल" की उपाधि से सम्मानित भी किया गया। प्रदेश के स्वच्छ भारत मिशन नगरीय द्वारा सभी निकायों में '155 घंटे का नान-स्टाप महासफाई अभियान' के दौरान विभिन्न आयोजनों के माध्यम से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को उनकी 155वीं जयंती पर श्रद्धांजलि देकर उनके स्वच्छता के संकल्प को साकार किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को निकायों में 'स्वच्छ स्कूल' का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया। वहीं नुक्कड नाटक, स्ट्रीट प्ले, पेंटिंग/पोस्टर/लेख प्रतियोगिता, स्वच्छता रैली, कल्चरल इवेंट, स्वच्छता प्लेड्ज, स्वच्छता आधारित प्रोजेक्ट, रंगोली, पौधरोपण, आर्ट एंड क्राट इत्यादि जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर स्वच्छता के प्रति 'स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता'' अभियान को और बल दिया गया।

स्वच्छता के प्रति जागरूकता के इस महाभियान में विद्यार्थियों के साथ आमजनमानस ने भी बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों द्वारा निकाली गयी स्वच्छता रैली को लोगों ने अपना बहुमूल्य समय देकर खूब सरहा। बच्चों द्वारा बनाई गयी पेंटिंग-पोस्टर को स्कूलों की दीवारों पर स्थान दिया गया। जिससे स्वच्छता का पाठ आने वाली पीढ़ी के स्वभाव और संस्कार में स्थापित हो सके। अभिभावकों ने भी कार्यक्रमों में प्रतिभाग कर स्वच्छ भारत मिशन नगरीय द्वारा चलायी जा रही इस मुहिम की जमकर सराहना की और साथ ही स्वच्छता के मूल्यों को दैनिक जीवन में अपनाने का प्रण भी लिया।

ग्राम चौपालों में 04 लाख 13 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का किया गया निस्तारण

अब तक 01 लाख 02 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का किया गया आयोजन

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल, (गांव की समस्या-गांव में समाधान) का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है, वहीं सोशल सेक्टर की योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आ रही है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के अनुपालन में ठोस व प्रभावी रूपरेखा बनाकर चौपालों का आयोजन किया जा रहा है तथा चौपालों से पूर्व गांवों में सफाई पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है और चौपालों के बारे में अधिक से अधिक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है व्यक्तिगत समस्याओं के अलावा सार्वजनिक समस्याओं का भी समाधान चौपालों में हो रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ग्राम चौपालों का आयोजन विधिवत किया जाता रहे।

ग्राम्य विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रदेश की 1492ग्राम पंचायतों में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया, जिनमें 4753 प्रकरणो का निस्तारण गांव पंचायतों में ही कर दिया गया। इन ग्राम चौपालों मे 3970 ब्लाक स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी तथा 6627ग्राम स्तरीय कर्मचारी मौजूद रहे और इन चौपालों में लगभग 87 हजार ग्रामीणों ने सहभागिता की। ग्राम्य विकास आयुक्त जी एस प्रियदर्शी ने बताया कि जनवरी 23 से अब तक 01 लाख 02 हजार से अधिक ग्राम चौपालों का आयोजन किया जा चुका है,जिनमें 73 लाख से अधिक ग्रामीण मौजूद रहे और 04 लाख 13 हजार से अधिक समस्याओं/प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

प्रोजेक्ट प्रवीण से 1 लाख विद्यार्थियों को मिलेगा कौशल प्रशिक्षण

योगी सरकार ने छात्रों में कौशल विकास को निखारने और युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने हेतु 'प्रोजेक्ट प्रवीण' कार्यक्रम के तहत इस साल 1 लाख विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य निर्धारित किया है। शैक्षिक सत्र 2024-25 में इस योजना का विस्तार करते हुए इसे प्रदेश भर के चयनित माध्यमिक विद्यालयों में लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट प्रवीण न केवल प्रदेश के युवाओं को आवश्यक कौशल प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने में भी सक्षम बना रहा है। सरकार का उद्देश्य युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें प्रदेश के विकास में सहयोगी बनाना है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण को औपचारिक शिक्षा से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट प्रवीण के अन्तर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं को निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण की सुविधा उनके नियमित पाठ्यक्रम के साथ उपलब्ध कराई जा रही है। अब तक 315 राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत 63,000 से अधिक छात्र/छात्राओं को कौशल प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों को प्रतिदिन 90 मिनट की अवधि का अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावसायिक कौशलों से सुसज्जित करना है, ताकि वे रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें। प्रोजेक्ट प्रवीण की शुरूआत वर्ष 2022-23 में की गई थी, और इसकी सफलता को देखते हुए इसे नए वित्तीय वर्ष 2024-25 में और विस्तारित किया जा रहा है।

कौशल विकास मिशन निदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न जिलों के चयनित विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इस संबंध में सभी जिलों के समन्वयकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यक्रम के तहत प्रत्येक विद्यालय में अधिकतम दो अलग-अलग जाब रोल का चयन किया जाएगा। हर बैच में 35 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा और विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर एक या दो जाब रोल का चयन किया जा सकता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिन सेक्टरों में रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं और जिनमें विद्यार्थियों की रूचि है, उन्हें प्राथमिकता दी जाए।

इस योजना में महिला सशक्तिकरण को भी प्रमुखता देते हुए अधिक से अधिक बालिकाओं को इस कौशल विकास योजना से जोड़ने के लिए बालिका विद्यालयों का चयन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। महिला छात्रों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह योजना विशेष रूप से लाभकारी सिद्ध होगी। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों को नियमित रूप से इस कार्यक्रम में सम्मिलित करने के लिए विद्यालय प्रशासन से समन्वय स्थापित किया जाएगा। इसके तहत विद्यालयों की समय सारिणी में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे, ताकि प्रशिक्षण कार्यक्रम बिना किसी बाधा के संचालित हो सके। साथ ही, विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को इस कार्यक्रम की जानकारी देकर उन्हें विद्यार्थियों को प्रेरित करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को सर्वश्रेष्ठ स्टाल का सम्मान

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन को सर्वश्रेष्ठ स्ट२ल का पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में यूपी कौशल विकास मिशन का पवेलियन आगंतुकों के बीच खास आकर्षण का केंद्र रहा, जहां पर विभिन्न उभरते हुए तकनीकी और व्यावसायिक कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह और उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग राकेश सचान ने कौशल विकास मिशन की अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह को सर्वश्रेष्ठ स्ट२ल का पुरस्कार स्वरूप ट्र२फी भेंट कर सम्मानित किया। यह पुरस्कार मिशन के उत्ष्ट प्रदर्शन और युवाओं के कौशल विकास के प्रति समर्पण का प्रमाण है।

प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को नई तकनीकों से प्रशिक्षित किया जा रहा है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। इस स्ट२ल को मिले सम्मान से यह सिद्ध होता है कि हमारा प्रदेश कौशल के क्षेत्र में तेजी से प्रगति कर रहा है।

प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि इस पवेलियन में कई महत्वपूर्ण कौशलों का लाइव प्रदर्शन किया जा रहा है, जिनमें मेडिकल सपोर्ट, सोलर पैनल इंस्ट२लेशन, वर्चुअल रियलिटी (माइनिंग सिम्युलेटर और पेंटिंग एवं फायर फाइटिंग सिम्युलेटर), हैंड एम्ब्र२यडरी, फ२रेन लैंग्वेज लर्निंग, मेटल एनग्रेविंग, एनिमेशन, ड्रोन टेक्नोल२जी और पंचकर्म टेक्नीशियन शामिल हैं। इन कौशलों के प्रति आगंतुकों में विशेष —चि देखी जा रही है, जो राज्य के युवाओं के लिए संभावनाओं का एक नया द्वार खोल रही है।

उत्तर प्रदेश आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग ने यूपी आईटीएस 2024 में जीता सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टैंड का खिताब

उत्तर प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रानिक्स विभाग को यूपी आईटीएस 2024 में ''सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन स्टैंड'' के लिए सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार विभाग द्वारा प्रदर्शित उत्कृष्ट तकनीकी नवाचार, डिजिटल उत्तर प्रदेश की प्रगति, और प्रदेश में आईटी और इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को मान्यता प्रदान करता है।

यह सम्मान विभाग के प्रख्यात नेतृत्व के कुशल मार्गदर्शन में प्राप्त किया गया है। विभाग के प्रमुख सचिव, अनिल कुमार सागर के सक्षम नेतृत्व में विभाग ने डिजिटल यूपी के लक्ष्य को साकार करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। उनके नेतृत्व में राज्य ने आईटी और इलेक्ट्रानिक्स के क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीकी समाधानों और नीतियों का सफल कार्यान्वयन किया है, जिससे उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा, ''उत्तर प्रदेश को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने की दिशा में हमारी यात्रा लगातार जारी है, और यह सम्मान हमें और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करेगा।'' उन्होंने विभाग के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता के बिना यह संभव नहीं हो पाता।

विशेष सचिव रवि रंजन ने कहा, ''हमारा उद्देश्य केवल तकनीकी क्षेत्र में उन्नति नहीं है, बल्कि हम एक समावेशी डिजिटल समाज का निर्माण करना चाहते हैं, जहां तकनीक हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाए''।

उत्तर प्रदेश सरकार की डिजिटल इंडिया मिशन, स्टार्ट अप प२लिसी और ई-गवर्नेंस जैसी प्रमुख योजनाओं के तहत, इस प्रदर्शनी में विभाग ने राज्य में तकनीकी विकास और सुशासन के लिए की गई पहल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस पुरस्कार के साथ, उत्तर प्रदेश का आईटी और इलेक्टानिक्स विभाग न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान और सुदृढ़ कर रहा है।